नोएडा में बनेगा उत्तर प्रदेश का पहला प्रदूषण नियंत्रण टॉवर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नोएडा क्षेत्र में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये **भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (BHEL) की मदद से** डीएनडी एक्सप्रेसवे पर वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर (एपीसीटी) को स्थापित किया जाना सुनिश्चित हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- आधिकारिक सूचना के अनुसार नोएडा के सेक्टर **16(A)** फिल्मसिटी के निकट ही डीएनडी एक्सप्रेसवे की हरित पट्टी में यह वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर आगामी 2 माह के अंदर स्थापित एवं संचालित किया जाएगा।
- इस वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर (एपीसीटी) का **आधार लगभग 4.50 मीटर व्यास वाला तथा ऊँचाई लगभग 20 मीटर** होगी।
- वर्तमान समय में यह टॉवर **भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड के हरिद्वार संयंत्र में तैयार** किया जा रहा है तथा इसे स्थापित करने के लिये अस्थायी तौर पर प्राधिकरण द्वारा लगभग 400 वर्ग मीटर स्थल उपलब्ध कराया गया है।
- इस टॉवर के स्थापित होने से लगभग एक वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र तथा डीएनडी व ग्रेटर नोएडा-नोएडा एक्सप्रेसवे की वायु गुणवत्ता में सुधार होगा।
- इस टॉवर के संचालन में **प्रतिवर्ष लगभग 37 लाख रुपए का व्यय अनुमानित** किया गया है, जिसका **50% भाग नोएडा प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाएगा।**
- **इस प्रकार का एक टॉवर अगस्त 2021 में दिल्ली के कनॉट प्लेस में स्थापित** किया गया है, लेकिन **उत्तर प्रदेश में यह पहला वायु प्रदूषण नियंत्रण टॉवर होगा।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttar-pradesh-first-pollution-control-tower